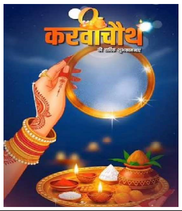

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 97 गुरूवार 29 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भाजपा को मिली करारी हार

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश विधानपरिषद के 11 शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव में जारी मतगणना में अब तक आठ सीट के परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित किए गए हैं, जिनमें से पांच सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तीन पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने जीत हासिल की है। वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की प्रतिष्ठित सीट पर सपा के लाल बिहारी यादव ने जीत हासिल की है। वाराणसी की दूसरी एमएलसी सीट पर भी भाजपा पस्त है। विधान परिषद वाराणसी खंड स्नातक सीट पर सपा प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा 7195 वोटों से आगे चल रहे हैं। भाजपा से केदारनाथ सिंह पीछे चल रहे हैं।

जारी किये गये आधिकारिक परिणाम के अनुसार, मेरठ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दिनेश कुमार गोयल, लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उमेश द्विवेदी, वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव, आगरा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के डॉक्टर आकाश अग्रवाल और आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉक्टर मानवेंद्र प्रताप सिंह ने जीत हासिल की।इसके अलावा इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक क्षेत्र से सपा के डॉक्टर मानसिंह यादव, मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के श्रीचंदर शर्मा और बरेली–मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉक्टर हरि सिंह ढिल्लो विजयी रहे। गोरखपुर से भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी जैसे–तैसे 360 मतों से जीत गये हैं।

वाराणसी खंड शिक्षक क्षेत्र की प्रतिष्ठित सीट पर सपा प्रत्याशी लाल बिहारी यादव ने काफी विवाद और आरोप–प्रत्यारोप के बीच जीत हासिल की। उन्होंने परिणाम घोषित होने से पहले ही अपनी जीत का दावा करते हुए प्रशासन पर जीत की आधिकारिक घोषणा करने में देरी का आरोप लगाया। चंदौली से सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने वाराणसी शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन पर सवाल उठाए थे और कहाथा कि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी लाल बिहारी यादव चुनाव जीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन परिणाम घोषित नहीं कर रहा, जिससे संदेह पैदा होता है।

झांसी से सूचना विभाग द्वारा जारी परिणाम के मुताबिक इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक सीट पर सपा के डॉक्टर मान सिंह यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के अशोक कुमार राठौर को 27 हजार 663 मतों से पराजित किया। लखनऊ खंड स्नातक सीट पर सपा की कांति सिंह ने मजबूत बढ़त बना रखी है। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की कुल 11 विधानपरिषद सीट के लिए मतगणना मंगलवार सुबह आठ बजे शुरू हुई थी।

कांग्रेस को जीरो सीट

यूपी–बिहार, कर्नाटक समेत चार राज्यों में हुए एमएसली चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। 28 सीटों में से कांग्रेस को जीरो सीट मिली है। खास बात यह रही कि ये चुनाव ईवीएम से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर से हुए थे। इसमें भी एक भी सीट न जीत पाने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने लिखा कि बैलेट पेपर से चुनाव हुए। गेस करिए कि कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं?

एमएलसी चुनाव में ऑल आउट हो गयी भाजपा– अखिलेश यादव

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में एमएलसी चुनाव के नतीजों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वाराणसी में हार को लेकर भाजपा पर तंज कसा और मतगणना में गड़बड़ी की साजिश का आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा, "वाराणसी में एमएलसी चुनाव में हार से हताश भाजपा की हालत खराब है। लखनऊ वाले दिल्ली वालों का फोन नहीं उठा रहे हैं। सच तो ये है कि भाजपा यूपी एमएलसी चुनाव में ऑल आउट हो गई है।"

अखिलेश यादव ने डॉ. संजयन त्रिपाठी को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि सपा प्रत्याशी को हराने की साजिश सामने आ गई है। अपने पोस्ट में उन्होंने 'हाता नहीं भाता' का जिक्र करते हुए भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी वोट से नहीं, बल्कि खोट से जीतती है।

सपा अध्यक्ष ने डॉ. संजयन त्रिपाठी के कथित उत्पीड़न और उनके आंसुओं का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षक समाज इस घटना को नहीं भूलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में शिक्षकों को अपमान का सामना करना पड़ा है। साथ ही, शिक्षकों से चारा इकट्ठा करने जैसे काम करवाने के कथित षड्यंत्र का भी जिक्र किया। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. संजयन त्रिपाठी और उनके समाज के साथ कथित अन्याय व उत्पीड़न के खिलाफ खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी। उनके बयान से एमएलसी चुनाव की मतगणना को लेकर राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।हालांकि, मतगणना में गड़बड़ी और साजिश से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती है। इस मामले में भाजपा और संबंधित चुनाव अधिकारियों की प्रतिक्रिया सामने आने पर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

जौहर यूनिवर्सिटी की संपत्ति जब्त

रामपुर (आभा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां से जुड़े मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और इमारतों को अटैच कर लिया है। ईडी के मुताबिक, अटैच की गई संपत्ति का मूल्य 426.46 करोड़ रुपये है, जबकि इसका मौजूदा बाजार मूल्य करीब 1170 करोड़ रुपये आंका गया है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत की गई है।

ईडी की लखनऊ जोनल ऑफिस की ओर से 28 अक्तूबर को बकायदा इसका प्रेसनोट जारी किया गया है। जिसके मुताबिक, रामपुर के जौहर नगर स्थित यूनिवर्सिटी परिसर मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के नाम पर है। इस ट्रस्ट की स्थापना आजम खां ने की थी और वह इसके नियंत्रण में भी हैं।

एक नजर

पाक्सो एक्ट में 10 साल की सजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते अदालत ने पाक्सो एक्ट से जुड़े एक गंभीर मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने अभियुक्त पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला 28 दिसंबर 2016 का है। वादी की तहरीर पर थाना कोतवाली में अभियुक्त मोहन पुत्र बुधई (निवासी कलानी गोला, थाना गोरखपुर, जनपद गोरखपुर) के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में नाबालिग से संबंधित अपराध की गंभीरता को देखते हुए पाक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की गई थी।

मामले की विवेचना पूरी होने के बाद विवेचक ने अदालत में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक बस्ती के निर्देशन में पैरवी सेल और थाना कोतवाली पुलिस की टीम ने न्यायालय के समक्ष मजबूत साक्ष्य और गवाह पेश किए।

इसी प्रभावी कानूनी पैरवी के परिणामस्वरूप अपर सत्र न्यायाधीशः विशेष न्यायाधीश (अनन्य न्यायालय, पाक्सो एक्ट) बस्ती ने 28 अक्टूबर 2026 को अभियुक्त मोहन को दोषी पाते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और 20,000 के जुर्माने की सजा सुनाई। 'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत बस्ती पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

ग्राम प्रधान अमरनाथ के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया विकास क्षेत्र की डेईडीहा बुजुर्ग ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान अमरनाथ चौधरी का मंगलवार शाम करीब साढ़े आठ बजे निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पूरे इलाके में शोक फैल गया। बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचकर परिवार को ढांढस बंधाने लगे।

जानकारी के अनुसार, अमरनाथ चौधरी की किडनी का प्रत्यारोपण हुआ था। उनकी बहन ने उन्हें किडनी दान की थी। उनकी देखभाल के लिए घर पर एक डॉक्टर भी रहता था। मंगलवार शाम अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने बताया कि अमरनाथ चौधरी मंगलवार को ही नई स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदकर घर लाए थे। परिवार में सब कुछ ठीक था, लेकिन अचानक हुई इस घटना से खुशियां मातम में बदल गईं। अमरनाथ चौधरी अपने पीछे दो बेटे छोड़ गए हैं। बड़ा बेटा अयोध्या में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है, जबकि छोटा बेटा इंजीनियरिंग कर रहा है। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

अल्ट्रासाउंड मशीन चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज पुलिस और सर्विलांस टीम ने पैथोलॉजी सेंटर का ताला तोड़कर अल्ट्रासाउंड मशीन और अन्य उपकरण चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 46 लाख रुपये कीमत की दो अल्ट्रासाउंड मशीनें और चोरी में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की वैगनआर कार बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने कप्तानगंज के अलावा लखनऊ में भी चोरी की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

जांच अवधि तक तीन मोटर ट्रेनिंग स्कूलों के प्रमाण पत्र पर रोक लगाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ऑटो रिक्शा जन कल्याण समिति के जिला संरक्षक महेन्द्र श्रीवास्तव ने मांग किया है कि जब तक जिले में आशा मोटर ट्रेनिंग स्कूल, प्रशांत मोटर ट्रेनिंग स्कूल और अवध मोटर ट्रेनिंग स्कूलों की जांच चल रही है, प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र और 5 ए फार्म के वितरण की प्रक्रिया पर रोक लगा दिया जाय।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से ऑटो रिक्शा जन कल्याण समिति के जिला संरक्षक महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद में मोटर ट्रेनिंग स्कूलों द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र और 5 ए फार्म के वितरण की प्रक्रिया को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था। इस आधार पर मोटर ट्रेनिंग सेण्टरों की जांच चल रही है। इसके बावजूद मोटर ट्रेनिंग स्कूलों द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र और 5 ए फार्म का वितरण पूर्ववत जारी है जो नियम विरूद्ध है। उन्होने बताया कि एआरटीओ प्रशासन माला बाजपेयी ने समिति को रजिस्टर्ड पत्र देकर 28 अक्टूबर को दिन में 11 बजे वार्ता हेतु बुलाया था किन्तु वे स्वयं अनुपस्थित थी जिससे वार्ता नहीं हो पायी और समिति के पदाधिकारी निराश होकर वापस चले गये। उन्होने मांग किया है कि जांच अवधि तक प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र और 5 ए फार्म के वितरण की प्रक्रिया पर रोक लगा दिया जाय। साथ ही विभागीय अधिकारी समिति के पदाधिकारियों से वार्ता कर समस्या का समुचित समाधान कराये। साथ ही मामलों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित कराया जाय।

-जारी है प्रमाण-पत्र और 5 ए फार्म का वितरण-महेन्द्र श्रीवास्तव

निषाद पार्टी ने रामू निषाद को सौंपी बस्ती जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निषाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने रामू निषाद को जनपद बस्ती का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस जिम्मेदारी के मिलने पर रामू निषाद ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। रामू निषाद ने कहा कि जिलाध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए वह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आभारी हैं। वह पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना उनकी प्राथमिकता होगी। पार्टी नेतृत्व ने जो भरोसा जताया है, उसका सम्मान करते हुए वह अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। रामू निषाद को बस्ती जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनसे जिले में संगठन को मजबूत करने और पार्टी की गतिविधियों को गति देने की उम्मीद की जा रही है।

रंग लायी एमएलसी सुभाष यदुवंश की पहलः लालगंज वीरितिया बानपुर मार्ग के चौड़ीकरण के लिए 34.61 करोड़ मंजूर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज वीरितिया वाया बानपुर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए शासन ने 34.61 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। विधान परिषद सदस्य एवं सभापति विनियमन समिति सुभाष यदुवंश के प्रस्ताव और निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप 11 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के विकास का रास्ता साफ हुआ है। सड़क के निर्माण एवं चौड़ीकरण से क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के लोगों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है।

आमी नदी के किनारे स्थित यह मार्ग पिछले 50 वर्षों से अधिक समय से उपेक्षा का शिकार था। सड़क की जर्जर स्थिति, संकरा रास्ता, घने नरकट और झाड़ियों के साथ जलजमाव की समस्या के कारण ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रवासी लंबे समय से इस मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की मांग कर रहे थे। अब शासन से स्वीकृति मिलने के बाद लोगों में विकास कार्य को लेकर उम्मीद जगी है।

क्षेत्र की इस पुरानी समस्या के समाधान के लिए एमएलसी सुभाष यदुवंश लगातार प्रयास कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव रखा था। उनके प्रस्ताव और प्रयासों के बाद शासन ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 3460.61 लाख करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है।

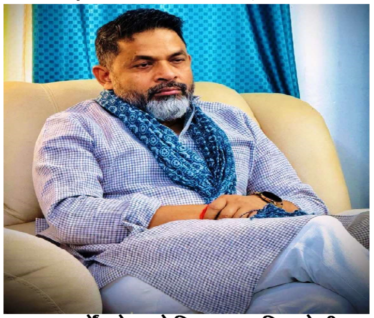

–50 वर्षों से उपेक्षित 11 किलोमीटर लंबी सड़क का होगा कायाकल्प

इस परियोजना के पूरा होने के बाद प्रतिदिन लगभग 30 हजार लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सड़क बेहतर होने से बस्ती और संत कबीर नगर जनपदों के बीच संपर्क मजबूत होगा। ग्रामीणों को बाजार, शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। इसके साथ ही किसानों को कृषि उत्पादों के परिवहन तथा व्यापारियों को अपने व्यवसाय से जुड़ी गतिविधियों में सहूलियत मिलेगी। मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होने की संभावना है। बेहतर सड़क संपर्क से आपातकालीन सेवाओं की पहुंच आसान होगी तथा ग्रामीण अंचलों में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। आमी नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में आवागमन और निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

मार्ग की स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एमएलसी सुभाष यदुवंश ने कहा कि यह सड़क उनके लिए व्यक्तिगत रूप से भी विशेष महत्व रखती है। इसी मार्ग पर आते–जाते और खेलते–कूदते उनका बचपन बीता है। ऐसे में इस सड़क के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए स्वीकृति मिलना उनके लिए प्रसन्नता और आत्मिक संतोष का विषय है। कहा कि क्षेत्र की यह पुरानी समस्या लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई थी। सड़क के विकास से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ मिलेगा और क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

लालगंज वीरितिया–बानपुर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए बजट स्वीकृत होने पर क्षेत्रीय जनता ने खुशी जाहिर की। पंकज सिंह, रमेश चौधरी, संजय यादव, रामदेव यादव और अभिषेक दुबे सहित अन्य लोगों ने इस निर्णय का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क के बेहतर होने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी। व्यापारियों को भी आवागमन और व्यावसायिक गतिविधियों में सुविधा मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस परियोजना से ग्रामीण अंचलों का विकास तेज होगा और बस्ती जिले की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी।

मण्डलायुक्त ने किया एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डलायुक्त वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं (सड़को को छोड़कर) की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित हुआ। बैठक में संबंधित विभागों द्वारा संचालित परियोजनाओं की भौतिक प्रगति, कार्यों की गुणवत्ता एवं निर्धारित समयावधि में पूर्ण किए जाने की स्थिति की समीक्षा की गई।

मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में कोई समझौता न किया जाय तथा निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में निर्धारित मानकों एवं तकनीकी विशिष्टताओं का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं है, उनके संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कार्यों में तेजी लाई जाए। संबंधित अधिकारी कार्यदायी संस्थाओं के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करें तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं का नियमित स्थलीय निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता एवं प्रगति का अनुश्रवण करें। उन्होने संबंधित अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि अगर कोई भी समस्या हो तो उसे तत्काल उनके संज्ञान में लाया जाय, जिससे ससमय निराकरण हो सकें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, संयुक्त विकास आयुक्त निर्मल कुमार द्विवेदी, उप निदेशक अर्थ एवं संख्या पूनम, संबंधित विभागों के मण्डलीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने चलाया 'सबसे ऊंचे सरदार' अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की ओर से जिले में 'सबसे ऊंचे सरदार' अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष विनय यादव के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय पर बैठक हुई। इसके बाद अमहट स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अभियान के तहत 28 से 31 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह और जिला महामंत्री एवं ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार उपस्थित रहे। इस दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अतिथियों ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके योगदान और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

–28 से 31 अक्टूबर तक आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की विभिन्न रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें आपसी एकता और भाईचारे को मजबूत करना चाहिए।

कार्यक्रम में रंजीत यादव, पिन्टू यादव, अमित शुक्ला, प्रदीप चौधरी, गुलशन राजभर, अरविंद चौधरी, नमन चौरसिया, संतोष भारद्वाज, जितेंद्र पटवा, भानु प्रताप राव, सूरज कुमार, ऋषभ गुप्ता, दिलीप गुप्ता, दीपक सोनी, रामरूप चौहान, सत्य प्रकाश जायसवाल, अर्जुन, विनोद निषाद और अभिषेक शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 29 अक्टूबर 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

पत्रकारिता, सरकार और प्रतिबन्ध

पत्रकारिता के पेशे में मीडियाकर्मी का नैतिक दायित्व होता है कि वह किसी खोजपूर्ण खबर में सहायक स्रोत की सुरक्षा और विश्वास को कायम रख सके। अपने गोपनीय स्रोत की सुरक्षा का वायदा सुनिश्चित करना महज एक पेशेवर शिष्टाचार नहीं है, सही मायने में यह खोजी पत्रकारिता की बुनियाद भी है। यदि जनहित के लिए महत्वपूर्ण गोपनीय सूचना देने वाले का भरोसा खत्म होगा तो भ्रष्टाचार और जन–विरोधी कार्यों में लिप्त लोगों के गलत कार्यों का खुलासा करने वाले लोग आगे नहीं आएंगे। यानी व्हिसलब्लोअर किसी गंभीर कदाचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं। यदि सूचना स्रोत की गोपनीयता भंग होती है, तो गलत कामों के वास्तविक तथ्य कभी भी सामने नहीं आ पाएंगे। बहुत संभव है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतंत्र के हित में, जनता को जानने योग्य जरूरी जानकारी से वंचित होना पड़ सकता है। इस विषय के महत्व की गंभीरता के चलते ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में देश के 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' यानी डीपीडीपी को चुनौती दी गई। जिसने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को सार्वजनिक विमर्श में ला दिया है। यही वजह है कि डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने चेताया है कि इस कानून के प्रावधान किसी मीडियाकर्मी के गोपनीय स्रोतों को सार्वजनिक कर सकते हैं। जो स्वतंत्र समाचार संग्रहण और इस बाबत जांच–पड़ताल में बाधक साबित हो सकते हैं। इस समस्या का चिंताजनक पहलू यह भी कि सरकार के पास नागरिकों की निजी सूचना एकत्र करने वाली संस्थाओं से जानकारी हासिल करने के अधिकार हैं। जिससे उन लोगों की पहचान उजागर हो सकती है जो भरोसे के चलते ही पत्रकारों के पास आते हैं। निश्चय ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी बंदिशें लादने से मीडिया की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संदर्भ में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद, कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 17 नवंबर तय की है।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में निजता की सुरक्षा बनाये रखना बहुत आवश्यक है। निस्संदेह, नागरिकों को उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने से बचाया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि निजता की सुरक्षा के लिये बनाया गया कोई कानून प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ताधीशों के लिये ऐसा जरिया नहीं बन जाना चाहिए, जो तथ्यों की तलाश व जांच–पड़ताल में बाधक बने। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शासन–प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कॉर्पोरेट में होने वाली गड़बड़ियों की पड़ताल अकसर ऐसे लोगों पर निर्भर करती है, जो बड़े निजी जोखिम को उठाकर भी वास्तविक तथ्य देश व समाज हित में बताने को राजी होते हैं। ऐसे में यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उनकी पहचान उजागर हो जाती है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर इसका व्यापक प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिर जोखिम उठाकर सूचना देने वाले लोग, ऐसा करने से कतराने लगते हैं। इससे जुड़ा एक वास्तविक पहलू यह भी है कि अपने स्रोत की सुरक्षा का अधिकार पत्रकारों को बिना किसी जवाबदेही के काम करने की छूट नहीं देता है। लेकिन यदि कोई अपवाद सामने आता है तो उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। उसका सार्वजनिक होना बेहद जरूरी है। वहीं उसकी स्वतंत्र न्यायिक निगरानी होनी चाहिए। ऐसे में न्यूजरूम के रिकॉर्ड तक बिना किसी रोक–टोक के पहुंच होने से, स्रोत की सुरक्षा और जनता के जानने के अधिकार को नुकसान पहुंच सकता है। देश की शीर्ष अदालत से उम्मीद की जाती है कि बहुत सावधानी से निजता और प्रेस की आजादी के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि वास्तविक पत्रकारिता के कार्यों के लिये स्पष्ट छूट दी जाती है, और साथ ही गोपनीय स्रोत के उजागर होने से रोकने के लिये सुरक्षा उपाय भी हों, तो इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कानून जनहित से जुड़ी रिपोर्टिंग में बाधा न बनेगा।

हाइड्रो प्रोजेक्ट का विरोध

सरकार की ओर से जब किसी बड़ी परियोजना को स्वीकृति दी जाती है, तो यह उम्मीद की जाती है कि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी और उसके पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय प्रभावों को भी ध्यान में रखा जाएगा। मगर, इन सभी पहलुओं को लेकर अगर कोई आशंका पैदा होती है, तो विरोध के स्वर उठना स्वाभाविक है। अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित सियांग अपर बहुउद्देश्यीय पनबिजली परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों में व्याप्त रोष भी इसी का नतीजा है, जो अब सड़कों पर उग्र प्रदर्शनों के रूप में सामने आ रहा है। ईस्ट सियांग जिले में भीड़ ने एनएचपीसी के कार्यालय और एक पुलिस थाने को आग के हवाले कर दिया।

साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित दो नेताओं के आवासों में तोड़फोड़ भी की गई। इस घटना के बाद केंद्र सरकार ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया बल की दो कंपनियां राज्य में भेजी हैं। मगर सवाल है कि क्या परियोजना का विरोध कर रहे लोगों की चिंता और आशंकाओं का समाधान सुरक्षाबलों की सख्ती से हो पाएगा? क्या सरकार की ओर से संवाद के जरिए लोगों को भरोसे में लेने की पहल नहीं की जानी चाहिए?

दरअसल, सियांग बहुउद्देशीय परियोजना को लेकर उपजा विरोध विकास, स्थानीय लोगों के हित और पर्यावरण के बीच संतुलन से जुड़ा मसला है। क्षेत्र के लोग आशंकित हैं कि इस परियोजना के तहत बनने वाले बांध से उनके गांव और उपजाऊ कृषि भूमि जलमग्न हो जाएगी। साथ ही बड़ी संख्या में गांवों के लोगों का विस्थापन हो सकता है।

यहां के जनजाति समुदाय का सियांग घाटी से गहरा सांस्कृतिक तथा आजीविका का जुड़ाव है। उन्हें डर है कि यह परियोजना उनके पारंपरिक जीवन और संस्कृति को नष्ट कर देगी। यह क्षेत्र चूंकि हिमालयी पट्टी में आता है, इसलिए भूकंप की दृष्टि से भी इस परियोजना को संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या विकास के नाम पर स्थानीय लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज किया जा सकता है?

व्यापक स्तर पर विरोध को देखते हुए यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह परियोजना से जुड़ी आशंकाओं का समाधान संवाद, भरोसे और जनभागीदारी से निकालने की कोशिश करे। इसके बजाय क्षेत्र में सुरक्षाबलों की अतिरिक्त तैनाती स्थानीय लोगों में नाराजगी को और बढ़ा सकती है। इसमें दोराय नहीं कि सियांग नदी पर प्रस्तावित इस परियोजना से बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन की संभावनाएं जुड़ी हैं। इसके अलावा जल संसाधनों के प्रबंधन और बाढ़ के प्रभाव को कम करने में भी इससे मदद मिलने की उम्मीद है। मगर यह परियोजना तभी सार्थक मानी जाएगी, जब स्थानीय लोगों के हितों को भी इससे जोड़ा जाए। इस बात को भी ध्यान में रखना जरूरी है कि यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब अरुणाचल में सीमा पर चीनी सेना की अवैध गतिविधियों से तनाव बना हुआ है। हाल ही में आइटीबीपी के महानिदेशक ने इस चिंता को रेखांकित किया था। ऐसे में विरोध प्रदर्शनों की संवेदनशीलता और स्थानीय लोगों के अधिकारों एवं हितों की अनदेखी करना उचित नहीं होगा।

ब्राजील और सर्बिया में जनादेश के गहरे निष्कर्ष

–भाषा सिंह–

लूला की जीत का महत्व सिर्फ ब्राजील तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका प्रभाव लातिन अमेरिका के देशों की राजनीति पर पड़ेगा, साथ ही अमेरिका और ट्रंप के वर्चस्व को भी चुनौती मिलेगी। लूला की जीत निश्चित तौर पर ब्रिक्स को और मजबूत करेगी और विश्व राजनीति को ज्यादा संतुलित करेगी।

अस्सी साल के लूला दा सिल्वा ने एक बार फिर ब्राजील में चुनावी जीत हासिल करके अपना चौथा राष्ट्रपति कार्यकाल सुनिश्चित कर लिया है। उन्होंने जिस तरह से दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को हराया, वह अपने आप में रिकॉर्ड है। वह लातिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के पहले ऐसे राष्ट्रपति बने जो चुनाव के पहले दौर में पीछे होने के बाद, सेकेंड राउंड में जीत गए। उनकी जीत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गहरा झटका लगा है। उधर, सर्बिया में छात्रों ने जिस तरह से चुनावी जीत हासिल करके सत्ता पर कब्जा जमाया है, उसने एक विश्वव्यापी सनसनी पैदा कर दी है। पिछले 12 साल से सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच को छात्र आंदोलन से जुड़ी पार्टी स्टूडेंट लिस्ट ने हरा दिया है, और वुचिच ने अपनी हार स्वीकार भी कर ली है। ये दोनों घटनाक्रम ऐतिहासिक हैं और विश्व कूटनीति पर इनका दूरगामी असर पड़ेगा।

सर्बिया में पिछले दो साल से भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्रों का जुझारू आंदोलन चल रहा था, जिसे कंट्रोल करने व दबाने की हर संभव कोशिश वुचिच की सरकार ने की, लेकिन फिर ये छात्र स्टूडेंट लिस्ट पार्टी बनाकर चुनावी मैदान में उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति को हरा दिया। ब्राजील और सर्बिया की सड़कों पर जश्न का माहौल है, जिसमें बड़ी संख्या में नौजवान शामिल हैं। ब्राजील में लूला ने अपनी जीत के लिए खास तौर से देश के नौजवानों का शुक्रिया अदा करके एजेंडा सेट करने की कोशिश भी की है। वामपंथी लूला को कुल वोटों का 51.79 फीसदी और उनके प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.21 फीसदी वोट मिले, दोनों के बीच लगभग 44 लाख वोटों का अंतर दर्ज किया गया।

ब्राजील में लूला की जीत से दुनियाभर के पर्यावरणविदों को राहत मिली है, क्योंकि इससे दुनिया के फेफड़े कहे जाने वाले अमेजन रेनफॉरेस्ट को बचाने में मदद मिलेगी। दुनिया का सबसे सघन और सबसे अधिक ऑक्सीजन देने वाला जंगल है अमेजन, जिसे काटने पर आमादा हैं ट्रंप और उनके समर्थित बोल्सोनारो। लूला से पहले ट्रंप के दोस्त पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ब्राजील के राष्ट्रपति थे और उन्होंने अमेजन जंगल काटने वाली परियोजना को हरी झंडी दी थी, जिसका कड़ा विरोध हुआ था। इस बार उनके 45 वर्षीय बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो राष्ट्रपति के उम्मीदवार थे, क्योंकि उनके पिता पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो जेल में बंद हैं। लिहाजा लूला की जीत से अमेजन रेन जंगल को काटने की प्रक्रिया जो रुकी थी, वह बनी रहेगी। साथ ही, ब्राजील में रेयर अर्थ और नियोबियम जैसे रणनीतिक खनिजों का भंडार है। अमेरिका और खासतौर से ट्रंप इन्हें अपने रक्षा उद्योग के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जिसके लिए लूला सबसे बड़े रोड़े साबित हुए। लूला चाहते हैं कि इन संसाधनों पर ब्राजील का नियंत्रण रहे और वे अपनी शर्तों और जरूरत के हिसाब से दूसरे देशों को बेचें।

वैसे भी लूला की जीत का महत्व सिर्फ ब्राजील तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका प्रभाव लातिन अमेरिका के देशों की राजनीति पर पड़ेगा, साथ ही अमेरिका और ट्रंप के वर्चस्व को भी चुनौती मिलेगी। लूला की जीत निश्चित तौर पर ब्रिक्स को और मजबूत करेगी और विश्व राजनीति को ज्यादा संतुलित करेगी। लातिन अमेरिका के देशों में अमेरिका ने पिछले कुछ समय में अपना दबदबा कायम किया, जिसमें वेनेजुएला पर कब्जा अहम है। लातिन अमेरिका के कई देशों में दक्षिणपंथी नेताओं ने चुनावी सफलता हासिल की, जिन्हें ब्राजील ने पिछले चुनावों में भी परास्त किया और इस बार भी। अब ये जीत पूरे क्षेत्र में वामपंथी और सामाजिक कल्याण, युवाओं के अधिकारों का समर्थन करने वाली राजनीति को नया जीवन देने वाली साबित होगी। यह बात एकदम साफ है कि ब्राजील में लूला को हराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत जोर लगाया। इसमें दुनिया के सबसे ताकतवर व्यक्ति एलन मस्क की भूमिका भी संदिग्ध रही। मेटा की भूमिका पर भी सवाल उठे और लूला ने जीत के बाद तुरंत इस ओर इशारा भी कर दिया। वैसे भी लूला और ट्रंप के बीच व्यापार, टैरिफ और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को लेकर कड़ा टकराव जगजाहिर रहा है, जो अब ऐलानिया तौर पर और बढ़ेगा। वैसे भी लूला ब्राजील की स्वतंत्र विदेश नीति, स्वतंत्र टेक्नोलॉजी के पक्षधर रहे हैं।

भारत और ब्राजील दोनों ब्रिक्स और जी20 जैसे मंचों के सदस्य हैं। लूला के दोबारा राष्ट्रपति बनने से इन क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने की निरंतरता मिल सकती है। चूंकि लूला विश्व व्यापार को डॉलर–मुक्त करने के लिए कोशिश करते रहे हैं। ब्रिक्स के जरिए उन्होंने इसके पक्ष में जबर्दस्त बैटिंग की, अब उनके ये प्रयास और तेज होंगे। इस मांग में चीन व रूस भी ब्राजील के साथ खड़े हैं, इसीलिए उनकी जीत से खलबली मची हुई है। दरअसल, जो लोग विश्व राजनीति के बहुध्रुवीय बनाने की इच्छा रखते हैं, वे लूला की जीत का जश्न मना रहे हैं।

उधर सर्बिया की जीत ने विश्व मानचित्र पर लिख दिया कि छात्रों की राजनीति, उनके आंदोलन कैसे राजनीति में बड़े बदलाव ला सकते हैं। सर्बिया के छात्रों ने दो साल में जैसे राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच को हराया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्टूडेंट लीड पार्टी, जिसका जन्म दो साल से भी कम समय पहले हुआ था, उसने रिकॉर्ड जीत हासिल करके सत्ता के तमाम समीकरणों को बदल दिया है। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि नवंबर 2024 में सर्बिया के नोवी साद रेलवे स्टेशन का शेड गिरने और उससे 16 लोगों की हुई मौत के खिलाफ जो छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ था, उसने इतने जमे–जमाए राष्ट्रपति वुचिच को सत्ता से उखाड़ फेंका और वह भी पूरी तरह से शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के जरिए।

दरअसल, धीरे–धीरे जिस तरह से ये आंदोलन सरकार, सरकारी संस्थाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर खड़ा हुआ, उसने सत्ता परिवर्तन की राह खोली। ये बात याद रखने वाली है कि वुचिच और उनकी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी 2012 से सर्बिया की राजनीति में प्रमुख दल रहे हैं। पहली बार उनकी पार्टी सत्ता से इस तरह बेदखल की गई। जिस तरह से पूरे सर्बिया के हर कोने में जीत का जश्न है, युवाओं में उत्साह है, वह एक बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है। स्टूडेंट लिस्ट के नेता इलिया सरदानोविच ने अपनी पूरी टीम के साथ जिस राजनीतिक परिपक्वता से इस पूरे आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखा और बिल्कुल सही समय पर एक राजनीतिक पार्टी का गठन कर इसे एक वैकल्पिक प्लेटफॉर्म में बदला, वह कई देशों में चल रहे युवाओं के आंदोलन को दिशा दे सकता है।

फिलहाल ब्राजील में लूला की जीत और सर्बिया में छात्रों की जीत ने विश्व राजनीति में बड़ी खलबली के संकेत दिए हैं।

–लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जहर उगलकर माफी मांगने का बढ़ता चलन

–निर्मल रानी–

पहले झूठ बोलकर या अफवाह फैलाकर किसी को अपमानित करने और बाद में विवाद बढ़ने पर मुआफी मांग कर किनारे हो जाने का चलन हमारे देश में बढ़ता जा रहा है। इसका मूल कारण यही है कि आजकल हमारे संभ्रांत या विशिष्ट कहे जाने वाले वर्ग में तमान असभ्य किस्म के लोगों ने प्रवेश कर लिया है। किसी का मान सम्मान,पद गरिमा,आयु उसकी सामाजिक हैसियत देखे बिना जानबूझकर ऐसा काम करते हैं जिससे, जिसका वे अपमान करना चाह रहे हैं, उस व्यक्ति का अपमान हो या न हो परन्तु ऐसी चेष्टा करने वालों की असलियत जरूर सामने आ जाती है। और ऐसे लोगों का परिचय बताने की रही सही कसर उनकी मुआफी पूरी कर देती है।

ऐसी ही एक घटना गत 18 अक्टूबर 2026 को उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के नरेंद्र नगर के शसिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेलेश में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान हुई। यहाँ मशहूर गायक दिलेर मेहंदी अपनी कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। कार्यक्रम के बीच में ही उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल आग बबूला होकर सीधे मंच पर चढ़ गए और उन्होंने दिलेर मेहंदी की प्रस्तुति को बीच में ही रुकवा दिया। इसके बाद मंत्री ने भरे मंच से जनता के सामने कहा कि दलेर मेहंदी ने शराब पी रखी है, वे बोलने व गाने की स्थिति में नहीं हैं और केवल लिप–सिंकिंग कर रहे, अर्थात केवल होंठ चला रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने दिलेर मेहंदी को भुगतान की गई करीब 35 लाख रुपये की राशि का भी सार्वजनिक मंच से जिक्र किया। और भी कई बातें इस मंत्री ने दिलेर मेंहदी को अपमानित करते हुये कहीं। इस दौरान दिलेर मेंहदी भी अपमानित होते हुये काफी असहज व झेंपे हुये नजर आये। आखिर क्या अधिकार था मंत्री महोदय को उनके अपने राज्य में आये हुये एक मेहमान के साथ ऐसा दुर्व्यवहार करने का ? दिलेर मेंहदी के करीबी व जानकारों का दावा है कि वे शराब पीते ही नहीं। फिर ऐसी तोहमत लगाने से मंत्री को क्या हासिल हुआ ? सिवाय इसके कि एक मंत्री का अहंकार उजागर हुआ और एक मंत्री उत्तराखंड राज्य में अतिथि कलाकारों का कैसे सम्मान करता है,यह भी पता चला ?

दिलेर मेंहदी के अपमान व इस घटना के सोशल मीडिया पर सार्वजनिक होने के बाद सिनेमा जगत के संगठनों और कलाकारों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। सिनेमा और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की प्रमुख संस्था फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सीने एम्प्लॉइज ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुये देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को आधिकारिक पत्र लिखकर इस घटना पर चिंता व्यक्त की। महासंघ ने अपने पत्रों में यह भी स्पष्ट किया कि दिलेर मेहंदी शराब का सेवन बिल्कुल नहीं करते हैं। महासंघ ने संवेदनशीलता बरतने की मांग की और कहा कि इस तरह सार्वजनिक मंच पर वरिष्ठ कलाकार की बेइज़्जती करना बेहद निंदनीय है। दिलेर मेहंदी के भाई व प्रसिद्ध गायक मीका सिंह ने भी शराब का सेवन करने जैसे मंत्री के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया और सीएम पुष्कर सिंह धामी से उनियाल के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कलाकार सम्मान और गरिमा के हकदार हैं। अगर राजनेता इस तरह अपमान करेंगे, तो कलाकार वहाँ क्यों परफॉर्म करेंगे? अभिनेता राजपाल यादव ने भी इस शर्मनाक घटनाक्रम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जिस कलाकार की आवाज ने दशकों तक देश–दुनिया का मनोरंजन किया, उसके साथ हजारों लोगों के सामने ऐसा व्यवहार करना बिल्कुल ठीक नहीं है। अनुपम खेर, कपिल शर्मा और बादशाह आदि कई अन्य कलाकारों ने भी खुलकर दिलेर मेहंदी के प्रति एकजुटता दिखाई और मंत्री द्वारा मंच पर जाकर इस तरह से झूठ बोलने और विवाद खड़ा करने के तरीके पर आपत्ति जताई।

हाँ, यह संभव है कि अधिक आयु की वजह से वे शारीरिक रूप से स्वयं को सहज महसूस न कर रहे हों। परन्तु यह निर्णय तो आयोजन समिति को उन्हें आमंत्रित करने से पूर्व करना चाहिए था। इसमें क्या शक है कि दिलेर मेंहदी भारतीय गायकों में एक बड़ा नाम है। आयोजक जानते हैं कि जितना मशहूर गायक आएगा उतनी ही भीड़ इकट्ठी होगी और कार्यक्रम सफल होगा। मिसाल के तौर पर गुरदास मान तो दिलेर मेंहदी से भी उम्र में भी बड़े हैं और पैसे भी उनसे दुगना ही लेते होंगे। फिर भी देश और दुनिया से उनके कार्यक्रम लेने के लिये लोगों की लाइन लगी होती है। रहा सवाल लिप–सिंकिंग करने अर्थात केवल होंठ चलाने का तो यह लाइव स्टेज गायन का तकनीकी विषय है। कोई भी लाईव परफॉर्मर ऐसा नहीं है है जो लिप–सिंकिंग न करता हो। सिर्फ कम या ज़्यादा हो सकता है। इसलिए मंत्री महोदय को इस विषय पर भी ज्ञान झाड़ने का कोई अधिकार नहीं था। जब जनता आनंदित हो रही थी तो कार्यक्रम में मंत्री के विघ्न डालने का क्या अर्थ ?

अब रहा सवाल पैसों के लिये मंत्री का तंज करना। तो दिलेर मेंहदी या कोई अन्य गायक अकेले इतने पैसे नहीं लेते। उनके साथ बड़ी व अच्छी संगत होती है,उनके अपने खर्च होते हैं। वे इतने पैसे लेकर समाज को आनंदित करते हैं,लोगों का मनोरंजन करते हैं। इनकम टैक्स अदा करते हैं। परन्तु जनता के टैक्स के पैसों से हर महीने इससे भी अधिक उड़ा देने वाले नेता आखिर जनता को क्या देते हैं यह बात भी देश अच्छी तरह जानता है। उत्तराखंड के इसी सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेलेश के सांस्कृतिक कार्यक्रम का ही उदाहरण ले लीजिये। गायक परफॉर्म कर रहा है लोग मस्ती ले रहे हैं। नेता जी ने बजाये कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के,उल्टे जहर उगलकर व झूठ बोलकर कार्यक्रम के रंग में भंग जरूर घोल दी। दरअसल इसमें आयोजकों का भी दोष है जो केवल सरकारी सहायता रुपी धनराशि लेने के चक्कर में मंत्रियों को बुलाते रहते हैं।

बहरहाल, इसतरह के लोगों की एक लंबी सूची है जिन्होंने किसी न किसी मामले में पहले झूठ बोला,अफवाहबाजी की बाद में दबाव में आकर,अपनी किरकिरी व आलोचना होती देख या फिर अदालती दबाव में आकर मुआफी माँगी। बाबा रामदेव,बालकृष्ण,अरविंद केजरीवाल,सुखबीर सिंह बादल और कई अन्य व्यक्तिगत स्तर पर और गोदी मीडिया के अनेक खबरिया चौनल इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इस मामले में भी पहले तो ऐसी खबरें आईं थीं कि दोनों के बीच सुलह हो गई है, लेकिन बाद में मंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी मुआफी नहीं मांगी थी। इसके बजाय, उन्होंने फिर उल्टे गायक को ही दोषी ठहराया। परन्तु दलेर के भाई मीका सिंह ने बाद में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। मीका के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मंत्री की ओर से मुआफी मांगी। धामी के हस्तक्षेप के बाद मंत्री सुबोध उनियाल ने भी स्वयं दलेर मेहंदी को फोन कर इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए मुआफी मांग ली। फिर अंत में मीका सिंह की टीम ने आधिकारिक बयान जारी कर इस विवाद को खत्म करने की घोषणा की। परन्तु इस घटना ने यह जरूर साबित कर दिया है कि झूठ बोलकर या जहर उगलकर मुआफी मांगने का चलन बढ़ता ही जा रहा है।

बहुत कुछ कहता है करवा चौथ

–डॉ. घनश्याम बादल–

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाए जाने वाला करवा चौथ केवल एक व्रत नहीं, प्रेम, विश्वास, समर्पण और साथ निभाने की कामना का पर्व है आज के दिन विवाहित महिलाएं पति की दीर्घायु और सुखी जीवन की कामना करते हुए दिनभर निर्जल व्रत रखती हैं। शाम ढलते ही चांद की प्रतीक्षा शुरू होती है। पूजा की थाली, छलनी, दीपक और चंद्रदर्शन के बाद पति का चेहरा देखकर व्रत खोलने की परंपरा दांपत्य प्रेम का विशिष्ट दृश्य रचती है लेकिन सवाल है कि क्या करवा चौथ का अर्थ केवल भूखे–प्यासे रहकर पति की उम्र मांगना ही है, या इसके इतर भी कोई अर्थ है?

सबसे प्रचलित कथा वीरवती की है।सात भाइयों की लाड़ली बहन वीरवती ने करवा चौथ का व्रत रखा, लेकिन भूख–प्यास से व्याकुल हो गई। भाइयों ने पेड़ के पीछे दीपक जलाकर उसे चंद्रमा निकलने का भ्रम दिया और उसने व्रत खोल लिया। इसके बाद उसके पति के जीवन पर संकट आ गया। कथा के अनुसार, वीरवती ने पश्चात्ताप और तपस्या से अपने पति के प्राण वापस प्राप्त किए। इस आख्यान का संदेश व्रत के प्रति निष्ठा और संकल्प से जुड़ा है। इसे लोक–आस्था में प्रचलित पौराणिक कथा के रूप में देखना चाहिए।

दूसरी कथा के अनुसार करवा नाम की पतिव्रता स्त्री की कथा है। उसने अपने पति को मगरमच्छ से बचाने के लिए अद्भुत साहस दिखाया और अपने दृढ़ संकल्प से यमराज तक को चुनौती दी। कथा का मूल भाव है कि प्रेम केवल भावना नहीं, संकट के समय अपने साथी के साथ खड़े रहने का साहस भी है। महाभारत से जुड़ी एक अन्य कथा में द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण की सलाह पर अर्जुन के कल्याण के लिए व्रत रखने का उल्लेख मिलता है। इन कथाओं की ऐतिहासिकता से अधिक महत्त्व उस भाव का है, जो पीढ़ियों से इनके माध्यम से संप्रेषित होता आया है।

धार्मिक दृष्टि से करवा चौथ पर भगवान गणेश, माता पार्वती, भगवान शिव और चंद्रदेव की पूजा का विशेष महत्त्व है। माता पार्वती को अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। शिव–पार्वती का संबंध प्रेम, विश्वास और परस्पर सम्मान की प्रेरणा देता है। गणेश पूजा विघ्नों के निवारण की कामना से जुड़ी है, जबकि चंद्रमा को शीतलता, मन और भावनात्मक संतुलन का प्रतीक माना जाता है। इस प्रकार यह पर्व केवल पति की आयु की प्रार्थना नहीं, बल्कि परिवार के सुख और संबंधों की स्थिरता की कामना का पर्व भी है।

लेकिन चांद को देखकर ही व्रत क्यों खोला जाता है? इसका उत्तर धार्मिक मान्यता और सांस्कृतिक प्रतीक, दोनों में छिपा है। हिंदू परंपरा में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है। उसकी शीतलता और कलाएं जीवन में संतुलन तथा परिवर्तनशीलता का बोध कराती हैं। चंद्रमा का उदय दिनभर के उपवास के समापन का संकेत बनता है। चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद पति का चेहरा देखना प्रेम, विश्वास और मिलन का प्रतीक है। छलनी के पार दिखता जीवनसाथी मानो यह संदेश देता है कि प्रेम केवल किसी को देखने में नहीं, बल्कि उसे समझने और स्वीकारने की दृष्टि में भी बसता है। आध्यात्मिक अर्थ में चंद्रमा की प्रतीक्षा धैर्य और संयम का अभ्यास भी मानी जा सकती है। हालांकि चंद्रदर्शन व्रत की धार्मिक परंपरा है, कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं कि चांद देखने से पति की आयु बढ़ती है। आस्था का सम्मान और वैज्ञानिक विवेक एक–दूसरे के विरोधी होना आवश्यक नहीं है।

समय के साथ करवा चौथ का स्वरूप बदला है। बाजार और प्रदर्शन की संस्कृति ने भी इसमें जगह बना ली है। महंगे परिधान, आभूषण, उपहार और तस्वीरों की प्रतिस्पर्धा कई बार पर्व के मूल भाव पर भारी पड़ जाती है। बाजार ने प्रेम को भी पैकेट में बंद करके बेचने की कला सीख ली है। महंगा उपहार प्रेम का प्रमाण और साधारण उपहार कम प्रेम का संकेत नहीं हो सकता। दांपत्य की असली समृद्धि आभूषणों या बैंक खाते में नहीं, कठिन समय में निभाए गए साथ में दिखाई देती है।

आज करवा चौथ को आधुनिक और अर्थपूर्ण बनाने की जरूरत है। यदि पत्नी पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखती है, तो पति भी पत्नी के स्वास्थ्य, सम्मान और सुख के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे। अनेक दंपती साथ में पूजा करते हैं, जबकि कुछ पति भी पत्नी के साथ व्रत रखते हैं। विवाह किसी एक व्यक्ति का दूसरे के लिए आजीवन त्यागपत्र नहीं, दो व्यक्तियों की साझा जिम्मेदारी है।

यौन शोषण मामलाः बृजभूषण को जवाब देने का आखिरी मौका, अगली सुनवाई 20 नवंबर को

संवाददाता–गोण्डा। महिला पहलवानों के यौन शोषण से जुड़े मामले में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और पूर्व सचिव विनोद तोमर को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर बुधवार सुबह 11 बजे दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बृजभूषण शरण सिंह को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। उनके वकील ने ऑनलाइन पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। विशेष न्यायाधीश ने आखिरी मौका देते हुए मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर तय की है।

कोर्ट ने कहा था कि निचली अदालत में शुरू से अंत तक हुई पूरी अदालती कार्यवाही का डिजिटल रिकॉर्ड (पेन ड्राइव में) याचिकाकर्ता पहलवानों, बृजभूषण शरण सिंह, विनोद तोमर और दिल्ली पुलिस को उपलब्ध कराया जाए। बता दें कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने 3 अगस्त को बृजभूषण शरण सिंह और विनोद तोमर को बरी कर दिया था। करीब डेढ़ महीने बाद 28, सितम्बर 2026 को महिला पहलवानों ने बरी होने के फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में अपील दायर की थी।

पहलवानों ने आरोप लगाया था कि निचली अदालत ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों का चुनिंदा और त्रुटिपूर्ण आकलन किया तथा फैसला महज अनुमानों और अटकलों पर आधारित था। याचिका में यह भी दलील दी गई कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर रूढ़िवादी धारणाओं का सहारा लिया गया, जो कानूनी रूप से उचित नहीं है। पहलवानों ने इस आधार पर आदेश की समीक्षा करने की मांग की। पहलवानों ने निचली अदालत के फैसले को कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं बताते हुए उसकी समीक्षा की मांग की थी।

जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा– हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे। यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था।

लूट के दो आरोपी गिरफ्तार, नकद बरामद

संवाददाता–गोण्डा। धानेपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की घटनाओं को अंजाम देने के आरोप में पुलिस ने बुधवार दोपहर करीब दो बजे गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ताराचंद पासवान और कमलेश वर्मा के रूप में हुई है।

पुलिस ने उनके कब्जे से लूट के 4,210 रुपए बरामद किए हैं। मेडिकल परीक्षण के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास है। ताराचंद पासवान के खिलाफ गोंडा और बलरामपुर समेत कई जिलों में 15 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, कमलेश वर्मा के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में सात मुकदमे दर्ज हैं। धानेपुर थाने में दर्ज लूट के मामलों में कमलेश तीन और ताराचंद एक मामले में वांछित था। सीओ सदर अभिषेक ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हो रही लूट की घटनाओं को देखते हुए धानेपुर थाना पुलिस और क्राइम टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया था। संयुक्त टीम ने सटीक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। सीओ के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि गिरोह में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस दोनों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। गिरोह से जुड़े अन्य संभावित सदस्यों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वकीलों ने काला दिवस मनायाः हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता–बहराइच। वकीलों पर हुए कथित हमलों के विरोध में अधिवक्ताओं ने बुधवार को काला दिवस मनाया। इस दौरान वकीलों ने दोपहर एक बजे काली पट्टी बांधकर मार्च निकाला और डीएम को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि 17 अक्टूबर को वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूराम तिवारी पर उनके चौंबर में रवि, अनुज और एक अज्ञात व्यक्ति ने हमला किया। अनुज पकड़ा गया, पर अन्य फरार हैं। एफआईआर के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई। 23 अक्टूबर को अधिवक्ता अखिलेश त्रिपाठी पर मनीष जायसवाल ने फॉर्च्यूनर गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया। इस मामले में भी एफआईआर दर्ज है।

इन घटनाओं से अधिवक्ताओं में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि न्याय दिलाने वाले वर्ग की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। बार एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि जल्द कार्रवाई न होने पर आंदोलन किया जाएगा।

राम जानकी मंदिर से सीता माता की मूर्ति पर लगे चांदी का मुकुट चोरी, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के बाल्मीकि नगर में स्थित श्री राम जानकी मरचाहे बाबा कुटी मंदिर से बुधवार की सुबह–सुबह सीता माता का चांदी का मुकुट चोर चोरी कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने में जुटी है। वहीं मंदिर के पुजारी ने मामले में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। श्री राम जानकी मंदिर के पुजारी रामनाथ दास का कहना है कि सुबह करीब 6 बजे के करीब चोरी की घटना हुई है। मंदिर का गेट खुला हुआ था। वह मंदिर पर ही मौजूद थे। उसी दौरान परिसर में स्थित समय माता मंदिर की तरफ चले गए। कुछ देर बाद जब वापस वह मंदिर की तरफ लौट तो मंदिर से सीता माता के मूर्ति का मुकुट गायब देख आवाक रह गए। मुकुट चोरी की सूचना धीरे–धीरे मोहल्ला वासियों तक पहुंच गई।देखते–देखते भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया। मौके पर पुलिस टीम पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगालना शुरू किया गया। इस दौरान मंदिर में आवागमन कर रहे लोगों से भी पूछताछ की गई। संदिग्धों की पहचान कर पुलिस टीम उन तक पहुंचने के हर प्रयास में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह का कहना है कि मंदिर से मुकुट चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची है। जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जोगी बनकर घर पहुंचा, लापता बेटा बताकर गहने ले भागा, गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के गौरा चौराहा थाना क्षेत्र में सोमवार को जोगी का भेष बनाकर एक व्यक्ति महिला के घर पहुंचा। उसने खुद को 25 साल पहले मुंबई से लापता हुआ महिला का बेटा बताया और चांदी की पायल व फूल की थाली लेकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस के मुताबिक, घटना 26 अक्टूबर की शाम करीब 6 बजे ग्राम सदवापुर में हुई। आरोपी ने महिला से कहा कि वह उसका बेटा रामचरित यादव है, जो करीब 25 साल पहले मुंबई से लापता हो गया था। महिला उसकी पहचान करने के लिए घर के अंदर से रोशनी लेने गई। इसी दौरान आरोपी दरवाजे के पास रखी फूल की थाली और एक जोड़ी चांदी की पायल लेकर भाग गया। महिला की शिकायत पर बुधवार को गौरा चौराहा थाने में अपराध क्रमांक 128/26 के तहत बीएनएस की धारा 303(2) और 319(2) में केस दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और नगर क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह की निगरानी में प्रभारी निरीक्षक चन्दन कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने 28 अक्टूबर को भोजपुर मोड़ से आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी की पहचान कालिया उर्फ गुड्डू पुत्र जमले, निवासी ग्राम टिकरिया बिशुनपुर बेरिया, थाना कोतवाली देहात, जिला गोंडा के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में उसने जोगी का भेष बनाकर महिला के घर जाने और सामान लेकर भागने की बात स्वीकार की। पुलिस ने केस में बीएनएस की धारा 317(2) भी जोड़ी और आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

पशु चोर गिरोह का खुलासा, 4 गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। करनैलगंज कोतवाली पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बुधवार दोपहर करीब 2रू40 बजे अंतरजनपदीय पशु चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरोह गोंडा के कई थाना क्षेत्रों में पशु चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। चोरी किए गए पशुओं को दूसरे जिलों में बेचकर मिली रकम आपस में बांट ली जाती थी। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाराबंकी के रहने वाले चांद बाबू, फुरकान और दुबे राज उर्फ लक्ष्मण एवं सीतापुर के रहने वाले गौतम के रूप में की है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के निर्देश पर संयुक्त टीम ने गोंडा, बाराबंकी और सीतापुर में दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे संगठित गिरोह के रूप में काम करते थे। गिरोह के सदस्य दिन में गांवों में घूमकर उन घरों की रेकी करते थे, जहां दुधारू पशु बाहर बंधे होते थे। रात में मौका पाकर पशुओं को चुरा लेते और नदी के कछारों या झाड़ियों में छिपा देते थे। पर्याप्त संख्या में पशु एकत्र होने के बाद उन्हें पिकअप वाहन में लादकर दूर–दराज के पशु बाजारों में बेच दिया जाता था।

अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) नितेश सिंह और सीओ करनैलगंज आनंद राय ने बताया कि आरोपियों ने 24 अक्टूबर को घरकुईया गांव से दो भैंसें, 22 अक्टूबर को परसपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर से दो भैंसें, 12 सितंबर को देहात कोतवाली क्षेत्र के रथवलिया गांव से एक भैंस और 26 सितंबर को खरगूपुर थाना क्षेत्र के असिधा गांव से एक भैंस चोरी की थी। पुलिस ने इन घटनाओं में चोरी की गई भैंसों को बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने गिरोह से जुड़े कुछ अन्य लोगों के नाम भी बताए हैं। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास के मुताबिक, फुरकान के खिलाफ दो, दुबे राज उर्फ लक्ष्मण के खिलाफ दो और गौतम के खिलाफ तीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

गन्ना मूल्य 600 रुपए करने की मांगः बंद चीनी मिलों को चालू कराने के लिए सपा का प्रदर्शन

संवाददाता–कुशीनगर। समाजवादी पार्टी ने किसानों की समस्याओं, चीनी मिलों को चालू करने और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे मुद्दों को लेकर कलेक्ट्रेट स्थित बुद्धा पार्क के मुख्य द्वार पर जोरदार धरना–प्रदर्शन किया।

धरने के समापन के बाद सपा नेताओं को राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपना था। हालांकि, शिक्षक एमएलसी चुनाव की मतगणना में व्यस्तता के कारण जिलाधिकारी खुद मौके पर नहीं पहुंच सके। उन्होंने अपनी जगह एसडीएम को ज्ञापन लेने भेजा, लेकिन पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह ने एसडीएम को ज्ञापन देने से साफ मना कर दिया। इसके बाद जिलाधिकारी ने फोन पर सपा नेताओं से बातचीत की और अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को भेजा। दोपहर करीब ढाई बजे एडीएम ने धरनास्थल पर पहुंचकर ज्ञापन स्वीकार किया और उसे राज्यपाल कार्यालय तक पहुंचाने का भरोसा दिया।

र्तमान पेराई सत्र के लिए गन्ने का समर्थन मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल तय करने की मांग की। पूर्व मंत्री ने कहा कि बाजार में लकड़ी 700 रुपये क्विंटल बिक रही है, जबकि किसान को गन्ने का भाव 300 रुपये भी नहीं मिल पा रहा है। इसके साथ ही एनपीके खाद के बढ़ते दाम, यूरिया की बोरियों में घटती मात्रा, डीजल और बीजों की महंगाई पर भी चिंता जताई गई। सपा नेताओं ने पडरौना, कप्तानगंज और लक्ष्मीगंज की बंद चीनी मिलों को तुरंत चालू कराने और कुशीनगर एयरपोर्ट से नियमित उड़ान सेवा शुरू करने की जोरदार वकालत क इस विशाल विरोध प्रदर्शन में सपा जिलाध्यक्ष राम अवध यादव, राजेंद्र उर्फ मुन्ना यादव, विजेंद्र उर्फ बबलू यादव, विजय कुशवाहा, अवध ठकुराई, पुरेंद्र यादव, उदय नारायण गुप्ता, कैंसर जमाल टीटू, एके बादल, विक्रमा यादव, चंद्र प्रकाश यादव, रणविजय सिंह, अजित दुबे, काजल यादव और सम्पूर्णा देवी समेत सैकड़ों पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

146 जोड़ों सीएम सामूहिक विवाह के तहत शादी, 15 मुस्लिम जोड़ों का निकाह

संवाददाता–गोण्डा। जिले में बुधवार को दूसरे दिन भी सुबह 10 बजे से दोपहर 3:40 बजे तक जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा एक निजी पैराडाइज में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत शादी के लिए लगभग 190 हिंदू और मुस्लिम जोड़ों ने अपना पंजीकरण कराया था, जिनमें से कुल 161 जोड़ों का उनके रीति–रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया। इनमें 146 हिंदू और 15 मुस्लिम जोड़े शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं गोंडा की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन और भाजपा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नवविवाहित जोड़ों ने फेरे लिए और मुस्लिम जोड़ों का निकाह पढ़ा गया। विवाह संपन्न होने के बाद सभी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहितों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में इस योजना में भी भेदभाव किया जाता था, लेकिन मौजूदा सरकार में बिना किसी भेदभाव के सभी को समान अवसर दिया जा रहा है। कई ऐसे जरूरतमंद परिवारों के बच्चों का विवाह संपन्न हुआ है, जो आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे। उन्हें शासन की ओर से उपहार भी प्रदान किए गए हैं।

वहीं जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि गोंडा जिले में अब तक 1,000 से अधिक जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है और यह क्रम निरंतर जारी है। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि किसी भी निर्धन परिवार की कन्या विवाह से वंचित न रहे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। व्यवस्था बनाए रखने के लिए महिला थाना और नगर कोतवाली की पुलिस टीम तैनात रही। इसके अलावा, आयोजन स्थल के आसपास सुचारू यातायात बनाए रखने और जाम की स्थिति से निपटने के लिए यातायात पुलिस की भी विशेष तैनाती की गई थी।

डीएम ने गिलौली में धान की क्रॉप कटिंग कराई

संवाददाता–गोण्डा। सदर तहसील के ग्राम गिलौली में डीएम प्रियंका निरंजन की मौजूदगी में चार किसानों के खेतों में धान की क्रॉप कटिंग कराई गई। इसका उद्देश्य धान की पैदावार का आकलन करना था। डीएम ने मौके पर धान काटकर उपज की जांच की।

क्रॉप कटिंग में किसान रमपता पत्नी वासुदेव के गाटा नंबर 172 के 43.30 वर्ग मीटर में 28.600 किलो धान मिला। राम औतार पुत्र राम अवध के गाटा नंबर 252 के 43.30 वर्ग मीटर में 32.400 किलो उपज हुई। अर्जुन प्रसाद पुत्र बदलू के गाटा नंबर 253 के 43.30 वर्ग मीटर में 17.250 किलो और सुरेश कुमार पुत्र गंगा राम के गाटा नंबर 517 के 43.30 वर्ग मीटर में 20.560 किलो धान मिला।

डीएम ने अधिकारियों से सभी क्रॉप कटिंग प्रयोग पारदर्शी तरीके से कराने को कहा, ताकि जिले में धान की औसत उपज का सही आकलन हो सके। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन का सही मूल्यांकन होगा और फसल बीमा योजना के तहत किसानों को मिलने वाले लाभ की गणना में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र में कृषि उत्पादन की वास्तविक स्थिति का आकलन करना और किसानों के हित में योजनाओं को लागू करना था।

इस मौके पर तहसीलदार सदर मनीष कुमार, नायब तहसीलदार शिवली सिंह, अपर सांख्यिकीय अधिकारी योगेंद्र प्रसाद चौहान, संबंधित गांव के लेखपाल, राजस्व निरीक्षक, ग्राम प्रधान और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वर्षा तिवारी भाजपा महिला मोर्चा अवध क्षेत्र की महामंत्री बनीं

संवाददाता–गोण्डा। वर्षा तिवारी को भाजपा महिला मोर्चा के अवध क्षेत्र में क्षेत्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, गोंडा की वरिष्ठ कार्यकर्ता अनीता गुप्ता भुर्जी को क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। वर्षा तिवारी लंबे समय से भाजपा और महिला मोर्चा को मजबूत करने के लिए काम कर रही हैं। क्षेत्रीय महामंत्री बनाए जाने पर उन्होंने कहा कि भाजपा में महिलाओं को सम्मान और अधिकार मिलता है। उन्होंने कहा कि वह अवध क्षेत्र के सभी जिलों में जाकर भाजपा और महिला मोर्चा को मजबूत करने का प्रयास करेंगी।

गोंडा की वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता अनीता गुप्ता भुर्जी को क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी से जुड़ने के बाद उन्हें लगातार सम्मान और अलग–अलग जिम्मेदारियां मिली हैं। उन्होंने इस नई जिम्मेदारी को आशीर्वाद बताते हुए कहा कि वह पार्टी को मजबूत करने और महिलाओं को भाजपा से जोड़ने के लिए काम करेंगी।

भाजपा महिला मोर्चा की गोंडा जिला अध्यक्ष बीना राय ने कहा कि जिले की दो महिलाओं को अवध क्षेत्र की कमेटी में जिम्मेदारी मिलना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता लगातार भाजपा को मजबूत करने में जुटी हैं।

रामभूषण भवन मंदिर के नए महंत बने विनोद दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी के वासुदेव घाट मोहल्ले स्थित प्रतिष्ठित रामभूषण भवन मंदिर के नए महंत के रूप में विनोद दास को उत्तराधिकारी घोषित किया गया। उनके गुरु धर्मदास महाराज ने अयोध्या के संत–महंतों और मंदिर से जुड़े शिष्यों की उपस्थिति में सनातन वैष्णव परंपरा के अनुसार कंठी चादर और तिलक देकर उन्हें मंदिर की जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए विनोद दास को मंदिर का महंत बनाया गया। समारोह में बड़ी संख्या में संत–महंतों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही।महंत पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद विनोद दास ने अपने गुरु धर्मदास महाराज के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रामभूषण भवन मंदिर की धार्मिक परंपराओं, मर्यादाओं और सनातन धर्म के सिद्धांतों का पालन करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। गुरु के दिशा–निर्देश में मंदिर की ठाकुरबाड़ी की व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने का प्रयास करेंगे। साथ ही मंदिर की प्राचीन परंपराओं को आगे बढ़ाने और धार्मिक गतिविधियों को निरंतर बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

विनोद दास ने कहा कि अयोध्या आने वाले संत–महंतों की सेवा के साथ मंदिर से जुड़े भक्तों और श्रद्धालुओं की सेवा करना भी उनका दायित्व होगा। मंदिर में होने वाले धार्मिक अनुष्ठान, उत्सव और अन्य परंपरागत आयोजन नियमित रूप से चलते रहेंगे। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं को गुरु के मार्गदर्शन में आगे बढ़ाने तथा श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के अनुरूप सेवा कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।रामभूषण भवन मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में श्री परमहंस आश्रम के महंत रामानंद दास सहित अयोध्या के दर्जनों संत–महंत उपस्थित रहे। इसके अलावा मंदिर से जुड़े सैकड़ों शिष्य और श्रद्धालु भी समारोह में शामिल हुए। संत–महंतों और शिष्यों की उपस्थिति में विनोद दास को मंदिर का महंत बनाए जाने की प्रक्रिया संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर की परंपरा और गुरु–शिष्य परंपरा के निर्वहन को महत्वपूर्ण बताया गया।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के खिलाफ वकीलों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। तहसील बार एसोसिएशन के वकीलों ने बुधवार को दिन में 11 बजे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनिमेष वर्मा के खिलाफ प्रदर्शन शुरु किया जो दो बजे तक जारी रहा। उन्होंने राजस्व मामलों के निपटारे में देरी और रिकॉर्ड की गलतियां ठीक न करने का आरोप लगाया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष युगुल किशोर तिवारी और मंत्री विजयसेन यादव की मौजूदगी में आमसभा हुई, जहां सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ। वकीलों का कहना है कि धारा 31, 32, 24, 80 और 116 के मामले समय पर हल नहीं हो रहे, जिससे वादकारियों और वकीलों को परेशानी हो रही है। राजस्व रिकॉर्ड में गलतियां सुधारने के लिए अधिकारियों से संपर्क के बाद भी समस्या बनी हुई है। जिलाधिकारी को पहले भी बताया गया था, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसोसिएशन ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सदर के ट्रांसफर की मांग करते हुए प्रस्ताव की कॉपी जिलाधिकारी और शासन को भेजने की बात कही। वकीलों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर तालाबंदी और हड़ताल की जाएगी। प्रदर्शन में कई वकील शामिल थे।

मोबाइल टावरों से चोरी करने वाले 2 गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। मोबाइल टावरों से कीमती एंटीना, मॉड्यूल और केबल चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अपने टेक्नीशियन साथी के साथ मिलकर अलग–अलग जिलों में टावरों को निशाना बनाते थे। उनकी निशानदेही पर केबल के 61 छोटे–बड़े टुकड़ों समेत कई उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बलरामपुर के तीन और श्रावस्ती के एक मामले का खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गाजियाबाद के मुरादनगर के रहने वाले आशिफ पुत्र नूर इलाही और इकबाल पुत्र अब्दुल सत्तार के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ कोतवाली देहात में दर्ज मुकदमे के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामला 14 सितंबर की रात ग्रामसभा घुघुलपुर स्थित एयरटेल टावर से तीन एंटीना और वोडाफोन के दो जीएसएम एंटीना चोरी होने से जुड़ा है। इसके अलावा महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के महादेव हरिहर नगर में टावर से करीब 38 मीटर पावर केबल चोरी हुई थी। लौकहवा साइट से भी दो एंटीना गायब होने की घटना सामने आई थी। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मथुरा के रहने वाले अपने साथी कन्हैया पुत्र बनवारी उर्फ बन्नो के साथ मिलकर वारदात करते थे। कन्हैया टेक्नीशियन होने के कारण टावर पर चढ़कर उपकरण उतारता था, जबकि अन्य आरोपी चोरी का सामान बेचने में मदद करते थे।

पुलिस का कहना है कि पूछताछ में आरोपियों ने जुलाई में लौकहवा और महादेव हरिहर नगर एवं अगस्त में श्रावस्ती के गिलौला क्षेत्र के एकघरवा टावर से चोरी करने की बात भी बताई। पुलिस के मुताबिक, घुघुलपुर और अन्य स्थानों से चोरी किए गए कुछ उपकरण झाड़ियों में छिपाकर रखे गए थे। आरोपी इन्हें वहां से ले जाने की तैयारी में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से केबल के 61 छोटे–बड़े टुकड़े, एक कार्ट्रिज, दो डेल्टा मॉड्यूल कार्ट्रिज, काले रंग के दो केबल बार और इमरशन कंपनी के सात मॉड्यूल बरामद किए हैं।

2 दिन चली कांटे की टक्कर के बाद भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी जीते

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर—फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा ने जीत हासिल की है। भाजपा उम्मीदवार ध्रुव त्रिपाठी 307 वोट से चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निर्दलीय राजेश यादव को कड़े मुकाबले में हराया।

ध्रुव को 14887 वोट मिला। निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव को 14580 वोट मिले हैं। जीत का ऐलान होने के बाद ध्रुव त्रिपाठी हाथ से विक्ट्री का निशान बनाते हुए मतगणना स्थल से बाहर आए। यह उनकी लगातार चौथी जीत है। इसके पहले के तीन चुनाव वह निर्दलीय जीते थे। हारे हुए प्रत्याशी राजीव यादव ने कहा कि मुझे जानबूझकर हरा दिया गया। 1000 वोटों की चोरी हुई है। इसको लेकर निर्वाचन आयोग जाएंगे, कोर्ट जाएंगे, चौथे राउंड के 1612 मतों की फोरेंसिक जांच कराएंगे।

भाजपा के प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी लगातार चौथी बार एमएलसी बने हैं। पहली बार भाजपा के टिकट पर जीते हैं। इसके पहले के तीन बार का चुनाव उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) की ओर से निर्दलीय लड़े हैं। 2008 में पहली बार चुनाव जीते थे। उसके बाद 2014 और 2020 में निर्दलीय जीते। अब 2026 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में चौथी बार चुनाव जीते हैं।

भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी को 14887 वोट मिला निर्दलीय राजीव यादव को 14580 वोट मिला इस तरह भाजपा उम्मीदवार 307 मतों से जीते 20406 मतों का इलेक्टोरल कोटा (501) गोरखपुर सीट से शिक्षक एमएलसी चुनाव में हारे हुए प्रत्याशी राजीव यादव ने कहा कि मुझे जानबूझकर हरा दिया गया। 1000 वोटों की चोरी हुई है। इसको लेकर निर्वाचन आयोग जाएंगे। कोर्ट जाएंगे। चौथे राउंड के 1612 मतों की फोरेंसिक जांच कराएंगे।

गोरखपुर—फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में दूसरी वरीयता के मतों की गिनती जारी है। अब तक 13 प्रत्याशी बाहर हो चुके हैं। भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी 880 मतों से आगे चल रहे हैं। ध्रुव त्रिपाठी को 13,644 वोट मिले हैं, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव को 12,764 वोट मिले हैं। इससे पहले ध्रुव की बढ़त 901 मतों की थी। अब यह अंतर 21 वोट कम हो गया है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित इंडिया गठबंधन की रैली को सफल बनाने का आह्वान

संवाददाता—गोरखपुर। राजीव दत्त पाण्डेय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह—प्रभारी अभिषेक दत्त बुधवार को दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर गोरखपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री डॉ. सैय्यद जमाल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश तिवारी और महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित इंडिया गठबंधन की रैली को सफल बनाने का आह्वान किया।अभिषेक दत्त का यह दौरा सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर और गोरखपुर में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से हो रहा है। अभिषेक दत्त ने इस दौरान कार्यकर्ताओं से कहा कि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली को सफल बनाने के लिए जुट जाएं। उन्होंने 'वोट चोरी' के मुद्दे पर जनता के बीच जाने और भाजपा सरकारों के जनविरोधी कार्यों के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में पार्टी जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। एयरपोर्ट पर स्वागत के दौरान जिला कांग्रेस के महामंत्री अनवर हुसैन, संतोष प्रताप सिंह, उत्कर्ष पांडेय, रजई निराला, दुर्गेश निषाद समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्तिक मेले और दीपोत्सव पर राम मंदिर की सुरक्षा होगी कड़ी, एडीजी जोन ने परिसर का लिया जायजा

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि की सुरक्षा व्यवस्था और आगामी धार्मिक आयोजनों को लेकर बुधवार को स्थायी सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में शामिल होने पहुंचे एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार ने राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बैठक में दीपोत्सव, 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा स्नान के मद्देनजर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की गई। एडीजी ने सात नवंबर को प्रस्तावित दसवें दीपोत्सव की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कार्तिक मास अयोध्या के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु धार्मिक आयोजनों में शामिल होने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को चाक—चौबंद बनाए रखना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि की सुरक्षा को लेकर स्थायी सुरक्षा समिति की बैठक नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। इसमें आगामी पर्वों और आयोजनों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाती है। परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत व व्यवस्थित बनाने के लिए जरूरी बदलाव भी किए जाते हैं।

एडीजी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग करने के साथ स्थानीय लोगों का विश्वास और सहयोग हासिल करने पर भी जोर दिया जाएगा। पुलिस प्रशासन कार्तिक मास के सभी धार्मिक कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने के लिए तैयारियों में जुटा है।

फूल तोड़ने गए बुजुर्ग की नाले में डूबने से मौत

संवाददाता—गोरखपुर। क्षेत्र के माट गांव के पास चोरमा नाले में कमल का फूल तोड़ने गए 55 वर्षीय विश्वम्भर की डूबने से मौत हो गई। मंगलवार को पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने पूरे दिन नाले में तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। बुधवार सुबह घटनास्थल से करीब 200 मीटर दूर नाले में उनका शव उतराता मिला। ग्रामीणों ने शव को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सहजनवा थाना क्षेत्र के माट गांव निवासी विश्वम्भर सोमवार को पूजा के लिए कमल का फूल तोड़ने चोरमा नाले में गए थे। वह तीन फूल लेकर घर लौटे तो परिजनों ने दो फूल और लाने को कहा। इसके बाद वह दोबारा नाले में चले गए, लेकिन काफी देर तक घर नहीं लौटे। परिजनों ने तलाश की तो नाले के किनारे उनकी साइकिल और चप्पलें मिलीं। डूबने की आशंका पर मंगलवार को पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने पूरे दिन तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने शव उतराता देखा और उसे बाहर निकाला। ब्लॉक प्रमुख शशि प्रताप सिंह ने पुलिस को सूचना दी।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान अपर/अति0 उप जिलाधिकारी बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—T202617140323125
पदमावती
बनाम
तीजा देवी आदि

1—तीजा देवी पत्नी राम दुलारे 2. ओम प्रकाश 3. देवीदीन पुत्रगण राम दुलारे 4. अनिल कन्नौजिया पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03—11—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
—द0 हाकिम

कार्यालय नगर पंचायत, गायघाट, बस्ती।

निविदा आमंत्रण सूचना

(ई—प्रोक्यूरमेंट सूचना)

एतद्द्वारा सर्वसधारण तथा समस्त सम्बन्धित ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर विकास अनुभाग—5 के शासनादेश संख्या—517/2026/नौ 5—2026/001Com.N. 2089958 दिनांक 23 सितम्बर 2026 के क्रम मे नगर पंचायत गायघाट में वित्तीय वर्ष 2026—27 राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं जलनिकासी योजनान्तर्गत द्वारा प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित कार्य कराये जाने है। जिसके लिये आनलाईन निविदाये आमंत्रित की है। कार्य से सम्बन्धित विवरण, निविदा प्रपत्र बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। बेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस मे धरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय, कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तो का उल्लेख है।

ई—निविदाये (टेक्निकल एवं फाइनेन्शियल) निम्नलिखित विवरण के अनुसार बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर आनलाईन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। ई—निविदाओं के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पंचायत गायघाट बस्ती से कार्यालय समय एवं दिवस पर की जा सकती है।

क्रमांक	वेबसाइट पर ई—निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई—निविदा डाउनलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	06.11.2026	12:00 बजे
2	ई—निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	06.11.2026	12:00 बजे
3	ई—निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	17.11.2026	12:00 बजे
4	ई—निविदा खोलने की तिथि/समय	17.11.2026	4:00 बजे

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गायघाट,
जनपद—बस्ती।

सुनील कुमार
अध्यक्ष
नगर पंचायत गायघाट,
जनपद—बस्ती।

पत्रांक: 183/ न0प0गा0/2026—27 दिनाक 27—10—2026

प्रेम विवाह के बाद ट्रेन से कटकर विवाहिता की मौत

संवाददाता—गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के सीहापार निवासी धर्मदेव निषाद की 21 वर्षीय बेटी अनामिका निषाद ने बेलघाट थाना क्षेत्र के रायपुर गांव निवासी अभी सिंह से करीब पांच महीने पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों परिवार इस विवाह से संतुष्ट नहीं थे। शादी के बाद अभी अनामिका को लेकर लुधियाना चला गया था। परिजनों और पुलिस के दबाव के बाद अनामिका का बड़ा भाई आदर्श दोनों को वापस ले आया। 22 अक्टूबर को नौसड़ पहुंचने पर दोनों परिवारों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद अभी को उसके परिजन और अनामिका को उसके मायके वाले अपने साथ ले गए। बाद में पुलिस के समझाने पर थाने के बगल स्थित मंदिर में दोनों का विवाह कराया गया। हालांकि, बताया जा रहा है कि लड़के पक्ष के लोग इससे संतुष्ट नहीं थे। अनामिका ससुराल में रह रही थी। इसी बीच बुधवार को सीहापार हॉल्ट के पास ट्रेन से कटकर उसकी मौत हो गई। अनामिका की मां लक्ष्मीना ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले दहेज के लिए उनकी बेटी को आए दिन प्रताड़ित करते थे। उनकी तहरीर पर पुलिस ने पति अभी सिंह, ससुर ओम प्रकाश सिंह, सास सुनीता, जेठ आदर्श सिंह और ननद काजल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान अपर/अति0 उप जिलाधिकारी बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0—T202617140323124
पदमावती
बनाम
तीजा देवी आदि

1—तीजा देवी पत्नी राम दुलारे 2. ओम प्रकाश 3. देवीदीन पुत्रगण राम दुलारे 4. अनिल कन्नौजिया पुत्र ओम प्रकाश निवासी ग्राम महरीपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03—11—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कं0 वाद सं0—D202617140000584
धारा 30 उ0प्र0रा0सं—2006
अदालत— श्रीमान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बस्ती जिला—बस्ती
गयालाल आदि
बनाम
आशीष कुमार आदि

1. आशीष कुमार 2. अश्वनी कुमार पुत्रगण हरीराम 3. श्रीमती देवी पत्नी हरीराम निवासीगण ग्राम बैदोली परगना बभनीपायर तहसील मनकापुर जिला गोण्डा हाल मुकाम ग्राम जोतबक्स तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 4. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी महोदय बस्ती

तारीख पेशी 20—11—2026

वाजेह हो कि जर्नादन ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—122/2025
प्रदीप कुमार चौधरी
बनाम
सोनू आदि

1—सोनू उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र अशोक कुमार साकिन सोनहा तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती
—प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. श्रीमती पूनम उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी रामसुरेश साकिन फेरसम तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती
—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 21—12—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0— 55/2025
श्रवण आदि
बनाम
गणेश आदि

1—सुभाष सोनी पुत्र प्यारेलाल 2. रामकेवल पुत्र रामदीन 3. रामसेवक पुत्र रामदीन 4. कैलाशी देवी पत्नी बुद्धिसागर 5. निशा कुमारी पुत्री बुद्धिसागर 6. मनीषा गौतम पुत्री बुद्धिसागर 7. सूरज कुमार पुत्र बुद्धिसागर 8. विनय कुमार पुत्र बुद्धिसागर 9. अनीशा कुमारी पुत्री बुद्धिसागर 10. राजू पुत्र बुद्धिसागर 11. राजन पुत्र बुद्धिसागर 12. दर्शन देवी पत्नी राम आसरे 13. रामकरन पुत्र राम आसरे 14. राम सुभावन पुत्र राम आसरे साकिनान मौजा डुमरी तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 12—11—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 12 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
मूलवाद सं0—244/2025
देवनरायन
बनाम
गुरूनरायन

1—गुरूनरायन आयु लगभग 79 वर्ष पुत्र भगौती निवासी ग्राम खुटहना तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 16—12—2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
—द0 हाकिम

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र के हरिहरपुर नगर पंचायत में बुधवार दोपहर अज्ञात पिकअप की टक्कर से बाइक सवार 19 वर्षीय प्रिंस त्रिपाठी की मौत हो गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रिंस त्रिपाठी, भिनकिनी कला निवासी आनंद मणि त्रिपाठी के बेटे थे। परिजनों के मुताबिक, वे किसी काम से हरिहरपुर गए थे और बाइक से घर लौट रहे थे। हरिहरपुर—महुली मार्ग पर रँगपाल नगर के पूरब टोला मोड़ के पास पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना की सूचना पर हरिहरपुर चौकी प्रभारी अशोक कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। चौकी प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। प्रिंस की मां सरिता देवी निजी स्कूल में शिक्षिका हैं।

कृषि वैज्ञानिकों ने बारिश से फसल बचाने के उपाय बताए

संवाददाता—संतकबीरनगर। आगामी दिनों में बारिश और गरज—चमक की आशंका को देखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र बगही के वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल बचाने के उपाय बताए हैं। उन्होंने किसानों से मौसम की जानकारी लेकर पहले से तैयारी करने को कहा है। कृषि विज्ञान केंद्र बगही के प्रभारी डॉ. सी. पी.एन. गौतम ने कहा कि किसान कटी फसल, अनाज और भूसे को सुरक्षित जगह पर रखें। खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें और मौसम अनुकूल होने पर ही कटाई—मड़ाई करें। उन्होंने मौसम संबंधी चेतावनी को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। कृषि प्रसार वैज्ञानिक डॉ. अभिनव सिंह ने कहा कि खुले में रखे अनाज को तिरपाल से ढकें और नमी से बचाने के लिए जमीन से ऊपर रखें। खेतों में पानी जमा न होने दें और जल निकासी की नालियां साफ रखें।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com